packaging facilities for 100% export of the procured shrimp.

The project with a total investment of US $ 120 million will be implemented in 5 phases in the States of Tamil Nadu, Andhra Pradesh, Kerala, West Bengal and Maharashtra.

Food Processing Industry in high priority category

1033. SHRIMATI KAMLA SINHA: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRILES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Food Processing Industry has been placed in the "High Priority" categories in the New Industrial Policy;

(b) if so, what are the target areas it is going to cover;

(c) whether any special incentive and promotional steps have been taken for such industries in the industrially backward districts; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI TARUN GOGOI): (a) and (b) Most Food processing Industries have been placed in the category of high priority industries and automatic approval upto 51% of foreign equity is allowed in them. Areas identified include soya products, all food processing industries (except potable alcohol, beer etc.) other than milk food malted food and flour, and all items of packaging for food processing excluding those items reserved for small scale industries in the above.

(c) and (d) Government operates a Transport Subsidy Scheme valid upto 31.3.95 for all industrial units (barring plantation industry, refinery and power generating units) located in specified areas such as North Eastern States, Sikkim, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, 8 Hill Districts of UP, Darjeeling District of West Bengal, Union Territory-of Andaman & Nicobar Island and Lakshwadeep. Transport costs incurred by industrial units for movement of raw-materials and finished goods are reimbursed ranging from 50% to 90% under the Scheme. Central Govt, also have a growth Centre scheme for development of infrastructure. Many State Governments have their plans and programmes for attracting investments in industrially backward areas which include subsidies. Besides, this Ministry also provides higher amount of financial assistance for setting up certain types of units in industrially backward districts, tribal areas, North Eastern States and hill areas.

बिहार में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

1034. **श्री गया सिंह:** क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या बिहार में भारत सरकार की मदद से खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों से सम्बन्धित कोई योजनाएं चलाई जा रही हैं; यदि हां, तो वर्तमान स्थिति क्या है; और नहीं, तो इसके क्या कारण है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरुण गोगोई): बिहार पशु चिकित्सा कालेज, पटना में बकरी मांस प्रसंस्करण पर किये जा रहे अनुसंधान एवं विकास परियोजना के लिये इस मंत्रालय ने 5 लाख रुपये की सहायता दी है और यह कार्य प्रगति पर है। रांची में खुम्बी उत्पादन आदि के लिए स्पान प्रयोगशाला की स्थापना के लिये भी 4.65 लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी। इन प्रयोगशालाओं की स्थापना 1991-92 को दौरान कर ली गई है और वह कार्य कर रही हैं। छठी योजना अवधि के दौरान भारत सरकार ने एक्विटी भागीदारी की और मैसर्स बिहार फल एवं सब्जी विकास निगम लि०, पटना को हाजीपुर में फल एवं सब्जी प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना के लिये ऋण प्रदान किये। इस समय यह यूनिट बन्द पड़ा है। इसके अलावा मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सरकारी क्षेत्र का उपक्रम माडर्न फूड इण्डस्ट्रीज (इंडिया) लि० रांची में ब्रेड, बन आदि जैसे बेकरी उत्पाद तैयार करने के लिये एक संयंत्र प्रचालित कर रहा है। मॉडर्न फूड इण्डस्ट्रीज (इंडिया) लि० का भागलपुर में स्थित दूसरा यूनिट इस समय बन्द पड़ा है और मॉडर्न फूड इण्डस्ट्रीज इसी स्थान पर एक पोषाहार संयंत्र स्थापित करने के लिये कदम उठा रही है।